Item Code: 641 Participant Code: 044

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തിരുത്തി........ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

कविता

जन्म का कर्म
और
जीवन की लक्ष्य

यह जीवन है भगवान का वरदान,
हर हाल में करलो इसका मान।
इस जन्म मिला है ईश्वर कृपा से,
असफलता से न जाने दो इसको।

वह जीवन भी क्या जीवन है,
जिसमें आशा की नीर नहीं।
वह जन्म भी क्या जन्म है,
जिसमें कोई भी लक्ष्य नहीं।

Item Code: 641 Participant Code: 044

अब भी बहुत वक्त है सामने,
चुन लो लक्ष्य और करो इस जन्म का कर्म।
याद रखना हमेशा एक बात,
समय की बहाव न रुकेगी कभी भी।

समझ लो जीवन की सत्य,
एक ही बार की मौका है ये।
इसको कभी छोड़ दिया तो,
दूसरा न मिलेगा इस जन्म में।

हम बहुत कर सकते है जीवन में,
बस सोचो और पहचानो उसको।
अच्छे कर्मो से इस जीवन को,
बदलो एक पुण्य की मौका मे।

करो वही काम जिससे,
देश की हो हमेशा मान।
करो वही काम जिससे,
सबके मन में हो अभिमान।

Item Code: 641 Participant Code: 044

ग़रीब लोगों की करो सहायता,
भूखे लोगों को दो खाना,
प्यासे लोगों को दो पानी,
ऐसे करो जीवन का कर्म।

अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाकर,
सबको अपने छाया देखर,
उनकी खुशी को बढ़ाकर,
करो अपने जीवन को सफल।

माँ - बाप को आदर करकर,
गुरु पाठ को मन मे रखकर,
जीवन में एक लक्ष्य बनाकर,
आगे बढ़ते ही रहो हमेशा।

ईमानदारी, प्यार और सहानुभूति के,
राह में ही जियोगे तो,
ईश्वर भी साथ देगा
जीवन लक्ष्य की प्राप्ती में।

करो जो कर्म जिससे
दूसरों को न हो कुछ हानी।
करो जो कर्म जिससे,
प्रकृति की संतुलन न बिगड़े।

करो जो कर्म जिससे
जीवन में सफलता आये।
करो जो कर्म जिससे
देश की नाम रोशन हो।

यह जीवन है भगवान का वरदान,
हर हाल में करलो इसका मान।
इस जन्म मिला है ईश्वर कृपा से,
असफलता से न जाने दो इसको।